ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४८
दिनांक– शुक्रवार, २३ जून, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.0 एवं 25.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 59 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 32.4 एवं दोपहर में 41.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 1.2 मि0मी0 वर्षा हुई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24–28 जून, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 24–28 जून, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार में मानसून का आगमन हो गया है। हालांकि अच्छी वर्षा की संभावना नही है। कहीं–कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण जिलों के एक दो स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 36–38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई धान की बीजस्थली में जो बिचड़े 10 से 15 दिनो के हो गये हो तथा सिचाई समय से करते रहे, खर–पतवार निकाल कर तथा प्रति एक हजार वर्ग मीटर बीजस्थली के लिए 5 किलो अमोनियम सल्फेट अथवा 2 किलो यूरिया का उपरिवेशन करें।
- अगात एवं मध्यम धान की किस्में, जिनकी किसान भाई सीधी बुवाई करना चाहतें हैं तथा सिचाई की उचित व्यवस्था है। ऐसे किसान भाई खेत में ही धान को छिटकॉवा विधी से सीधी बुवाई कर सकते है। यदि खेत सुखा है तो सीडड्रील मशीन से या छिटकॉवा विधी से बुवाई कर सकतें हैं। सुखे खेत में सीधी बुवाई करने पर बुवाई के 48 घंटें के अन्दर खरपतवारनाशी दवा पेन्डिमेथीलीन 1.0 लीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि बुवाई के बाद बारिश शुरू हो जाती है तो पेन्डिमेथीलीन दवा का छिड़काव न कर वैसी हालत में बुवाई के 10–15 दिनो के बीच में नामिनी गोल्ड (बिसपेरिबेक सोडियम 10ः एस0 सी0) दवा का 100 मि0 ली0 प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करना नही भुले।
- अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित है।
- बरसाती भिंडी फसल लगाने का समय अनुकूल है। इसके लिए अर्का अभय, पंत भिडी–1, काशी लीला किस्में उपयुक्त है। इस फसल में मौजेक एवं फल छेदक कीट काफी नूकसान पहुचाते है। रोकथाम के लिए मैलाथियन दवा का 2 से 2.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
- खरीफ मौसम की सब्जियॉ जैसे– कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा की बुवाई कर सकते है लेकिन किसम भाई अपने खेत में उचित नमी बनाकर ही बुवाई करे। इसके लिए किसान भाई मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 20–25 टन सढ़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर 60 किलो ग्राम नेत्रजन, 50 किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल 3 मी0x1 मी0 की दूरी पर लगायें। प्रति थाल 2–3 मी0 बीच पर बोयें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े 15 से 20 दिनो के हो गये हो, उसमे से खर–पतवार निकालें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए 40 : छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच0एस0 (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)